

ନେମାର୍ଥ ପାତାଲିକାରୀ, ସମ୍ପଦପଞ୍ଜୀ ।

वायुसूची १४-ग्राम सं० ५३३ ।

卷之三

(प्राचीन गिरोह वर्णनका; १९४१ का सियम ३२९)

दादेश यहाँ के लोगों की जिम्मेदारी नहीं है।

आदैश की प्रक्रिया एवं स्थूली स्थूल वार्षिक

वाहें वौर प्राप्तिकारी का उत्तमदार

बाहें पर की गई कार्रवाई के जरूर में
दिल्ली अर्द्ध-सदिव

<u>मात्रा</u>	<u>रक्कावा</u>	<u>वेस्ता</u>	<u>वेश्वा</u>
प्राप्ति	५७	४३७	S-2.

वाराणसी द्वारा भूमियोग का गोपनीय
प्रतिवेदन, प्राचीन, राजकीय व भूमियोग
ज्ञापने प्रतिवेदन, द्वारा प्रतिवेदिका, विशेषज्ञ
ज्ञानेरुद्धरण के लिए की गई है। अब इस
लिए आपने अपने प्रतिवेदन का लिखा है। इस
महात्मा द्वारा सभी पक्षी को भूमियोग पर दार्शन
की अवधि दी गई है जो भूमियोग की दृष्टिकोण
के प्रतिवेदन के आलोचक के लिए दी गई है। इस
महात्मा सभी पक्षी को लिया जाना चाहिए
जो उन्हें दी गई है।

of a certain
kind of
Bismillah
Rabbana

वायें की व्यवसाय
हीर सारीला

वायें और पदाधिकारी का दृश्यावध

ओवेन पर की मई कार्रवाई ८ बारे वे
किसान, बायें-कर्तव्य

20.8.13

आमिलेण ३५८ भापित, नीतिया ता. गिलाम्हतिक्का
भाजा नियोगित तिथि के ५२३१ ता. ३१८ फृ०.
२२.८.१३ की आवेदक छारा, बोर्डपाटामा
८८८३ विकारी छारा नियुक्त श्रृ॒५८८ पञ्च ८०
३६३९२. फृ० - २०.८.१३-बाया विलाम्हामा।

ठार : एण्ड्रुक गोला नियुक्त
बायुरंभा व्यौ उल्लास आपातो के व्यवसाय
एवं राजस्व वित्त की दास ५००/०१३१. फृ० ८०
मा. एवं इन्हीं दो छारी के व्यवसाय का
एवं इष्टका अविक्षण भव्यावान नदी ५८१।
७५५५ पञ्च नियुक्त है।

नियुक्त होतो ०

अप्रैल २०१३ विवरण दिया गया व्यवसाय
बायुरंभा व्यौ उल्लास आपातो के व्यवसाय
एवं राजस्व वित्त की दास ५००/०१३१. फृ० ८०
मा. एवं इन्हीं दो छारी के व्यवसाय का
एवं इष्टका अविक्षण भव्यावान नदी ५८१।

५२३१

अप्रैल २०१३ विवरण दिया गया व्यवसाय
बायुरंभा व्यौ उल्लास आपातो के व्यवसाय
एवं राजस्व वित्त की दास ५००/०१३१. फृ० ८०
मा. एवं इन्हीं दो छारी के व्यवसाय का
एवं इष्टका अविक्षण भव्यावान नदी ५८१।

अप्रैल २०१३ विवरण दिया गया व्यवसाय
बायुरंभा व्यौ उल्लास आपातो के व्यवसाय
एवं राजस्व वित्त की दास ५००/०१३१. फृ० ८०
मा. एवं इन्हीं दो छारी के व्यवसाय का
एवं इष्टका अविक्षण भव्यावान नदी ५८१।

अप्रैल २०१३ विवरण दिया गया व्यवसाय
बायुरंभा व्यौ उल्लास आपातो के व्यवसाय
एवं राजस्व वित्त की दास ५००/०१३१. फृ० ८०
मा. एवं इन्हीं दो छारी के व्यवसाय का
एवं इष्टका अविक्षण भव्यावान नदी ५८१।